

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 30 नवम्बर, 1983

क्रमांक 1309-ज-(I)-83/39593.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री, श्री राम पुत्र श्री प्रभु राम, गांव पीतमपुरा, तहसील व जिला सोनीपत को खरीफ, 1965 से रबी, 1970 तक 100 रुपये वार्षिक खरीफ 1970 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1224-ज-(1)-83/39597.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री दयाचन्द, पुत्र श्री बंदेलू राम, गांव अहलाना तहसील गोहाना, जिला मोनीपत को खरीफ 1976 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 80 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1267-ज-(1)-83/39601.—श्री नन्द लाल, पुत्र श्री फकीर चन्द, गांव पंजलासा, तहसील नारायणगढ़, जिला अम्बाला की दिनांक 2 फरवरी, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये श्री नन्द लाल की मुल्लिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 695-ज-1-78/16644, दिनांक 16 जून, 1978 तथा अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमति रूकमती देवी के नाम खरीफ 1981 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1400-ज-(II)-83/39677.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री सुधन सिंह, पुत्र श्री नेकी राम गांव ललित खेड़ा तहसील व जिला जीन्द को रबी, 1975 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1094-ज-(II)-83/39683.—श्री झगड़ राम, पुत्र श्री शंकर लाल, गांव कर्वाली, तहसील रिवाड़ी, जिला महेन्द्रगढ़ की दिनांक 9 नवम्बर, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री झगड़ू राम को मुल्लिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 7115-र-III-68/8569, दिनांक 22 अप्रैल, 1969 अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-50/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा 1789-ज-(I)-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमति सुन्दर के नाम खरीफ 1982 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1399-ज-(II)-83/39688.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्रीमति धावे देवी, विधवा श्री फतेह सिंह, गांव गंगोली तहसील सफीवां जिला जीन्द को खरीफ 1965 से रबी 1970 तक 100 रुपये वार्षिक खरीफ 1970 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1346-ज-(II)-83/39695.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री श्रीचन्द, पुत्र श्री बालू राम गांव मेहरड़ा तहसील व जिला जीन्द को खरीफ 1974 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।